रेडियो रमन से कला एवं संस्कृति का संरक्षण

Dr. C.V. Raman University
Registrar
Kargi Road, Kota, Bilaspur (C.G.)

रेडियो रमन 90.4 के माध्यम से जागरूकता

विश्वविद्यालय में 2009 में पहुंचहीन आदिवासी ग्रामों में सामुदायिक रेडियो के माध्यम से जागरूकता फैलाने के उद्देश्य से सामुदायिक रेडियों की स्थापना का प्रस्ताव रखा गया। 2011 में भारत सरकार से अनुमति मिलने के उपरांत 2013 में महामहिम राज्यपाल श्री शेखर दत्त जी के कर कमलों से शुभारंभ किया गया एवं रेडियो से शिक्षा का उजियारा फैलाने का कार्य प्रारंभ किया गया। जिसके अंतर्गत आदिवासी पिछड़े गांव के सभी वर्ग के नागरिकों के लिये अनेक जागरूकता कार्यक्रम तथा रेडियों से राज्य प्रशासनिक सेवा जैसे अनेक प्रतिस्पर्धी परिक्षाओं की तैयारी के संबंध में कार्यक्रम प्रसारित किया जाने लगा। लगभग 200 गावों तक के रहवासियों को इसका सीधा लाभ मिलते रहा है। विश्वविद्यालय द्वारा रेडियो रमन के परिक्षेत्रीय आदिवासी ग्रामों में लगभग 1000 से अधिक रेडियो का वितरण किया जा चुका है। रेडियो रमन 90.4 के माध्यम से विश्वविद्यालय द्वारा छत्तीसगढ़ की विशिष्ट ज्ञान परंपरा, लोक संस्कृति, लोक कला, लोक परंपरा का संरक्षण एवं संवर्धन एवं इसका भावी पीढ़ी में हस्तांतरण का कार्य कर रहा है। इसके तहत छत्तीसगढ़ की विलुप्त होती गायन, वादन, लोक नाट्य, लोक गाथा के अनेक विधाओं की रिकार्डिंग की जा रही है। इसमें बांस गीत, विवाह गीत, भरथरी गायन, रहस, पंडवानी, आल्हा उदल की लोक गाथा आदि प्रमुख है। रेडियो रमन में विलुप्त होती विधा के नवोदित कलाकारों को मंच प्रदान किया जा रहा है तथा छत्तीसगढ़ के सभी क्षेत्र के मूर्धन्य विद्वानों के साक्षात्कार रिकार्ड किये जा रहे है। अभी तक 22 लोक कला समुहों के 600 से अधिक लोक कलाकारों को प्रोत्साहित किया जा चुका है। विश्वविद्यालय के ऐसे विद्यार्थी जो कि लोक कला, संस्कृति में अभिरूचि रखते है, उन्हें भी अवसर प्रदान किया जा रहा है।

Dr. C.V. Raman University
Registrar
Kargi Road Kota

Dr. C.V. Raman University
Registrar
Kargi Road, Kota, Bilaspur (C.G.)

Dr. C.V. Raman University
Registrar
Kota, Bilaspur (C.G.)

C.V. Raman University
Registrar

Dr. C.V. Raman University
Registrar
Kargi Road, Kota, Bilaspur (C.G.)

Dr. C.V. Raman University
Registrar
Kargi Road, Kota, Bilaspur (C.G.)

Dr. C.V. Raman University
Registrar
Kargi Road, Kota, Bilaspur (C.G.)

Dr. C.V. Raman University ★ Registrar Road, Kota, Bilaspur (C.G.)

प्रशासनिक सेवा, रेलवे, बैंकिंग पुलिस समेत विभिन्न सिविल सर्विसेस परीक्षाओं से संबंधित गाइडलाइन रमन रेडियो से

रमन विवि की पहल, रेडियो सुनकर बनें अफसर

बिलासपुर. डॉ.सी.वी रामन् विश्वविद्यालय में स्थापित रेडियो रामन् ने अपने उद्देश्य की ओर पहला कदम रख दिया है. इस सामुदायिक रेडियो से अंचल के युवाओं को लाभ पहुंचाने के लिए भारतीय प्रशासनिक सेवा, भारतीय पुलिस सेवा, रेलवे, बैंकिंग, राज्य पुलिस सेवा और राज्य प्रशासनिक सेवा सहित सभी सिविल सर्विसेस परीक्षाओं से संबंधित गाइड लाइन दी जाएगी. इसके लिए देश व राज्य के शीर्ष कोचिंग सेंटरों से ओएमयू किया जा रहा है.

इस संबंध में जानकारी जानकारी देते हुए डॉ.सी.वी. रामन् विश्वविद्यालय के कुलसचिव शैलेष पाण्डेय ने बताया कि विश्वविद्यालय परिसर में स्थापित रेडियो रामन् का 1 मई को प्रदेश के राज्यपाल शेखर दत्त ने विधिवत् शुभारंभ किया था. इस अवसर पर प्रदेश के स्वास्थ्य मंत्री अमर अग्रवाल एवं युवाओं के आइडियल और प्रसिद्ध उपन्यासकार चेतन भगत विशेष रूप से उपस्थित थे. रेडियो रामन् 90.4 एफएम को पिछले एक वर्ष से परीक्षण प्रसारण के रूप में भी सुना जा रहा था. श्री पाण्डेय ने बताया कि 1 मई के बाद से कार्यक्रमों का प्रसारण लगातार जारी है. पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार अभी दो पालियों में कार्यक्रम प्रस्तुत किया जा रहा है. जिसमें जिसमें सभा की शुरुआत चिंतन, भक्ति के कार्यक्रम अर्चना, फिर सेहत की बातें, हमारे कानून, विज्ञान यात्रा, अंचल की लोक-कला और संस्कृति से संबंधित कार्यक्रम हमर बानी, रोजगार समाचार और सभा के अंत में आजकल कार्यक्रम प्रसारित किए जा रहे है. सुबह की सभा 11 बजे से दोपहर 1 बजे तक और दूसरे पाली की सभा 3 बजे से शाम 5 बजे निर्धारित की गई है. श्री पाण्डेय ने हर्ष व्यक्त करते हुए बताया कि यह रेडियो रामन् सामुदायिक रेडियो है.

इसकी स्थापना अंचल के लोगों को लाभ देने के लिए की गई है. ऐसे में कोशिश की जा रही है, कि ज्यादा से ज्यादा लोगों को लाभ दिया जा सके. इस उद्देश्य को लेकर विश्वविद्यालय में योजनाएं तैयार की गई है. जिसमें विस्तार से कार्य किया जा रहा है. इसी क्रम में रेडियो रामन् ने अपने उद्देश्य की ओर पहला कदम रखा है. अब रेडियो रामन के माध्यम से सिविल सर्विसेस की तैयारी कराई जाएगी. जिससे ग्रामीण अंचल और शहरी क्षेत्र के युवाओं को लाभ मिल सके. श्री पाण्डेय ने बताया कि हर कक्षा में भी रेडियो लगाया जा रहा है. विश्वविद्यालय के विषय विशेषज्ञ कक्षा में मात्र साठ विद्यार्थियों के बीच ज्ञान का प्रसार कर पाते है. रेडियो रामन् के प्रारंभ होने से विद्यार्थियों के साथ जनजन तक इन विषय विशेषज्ञों के ज्ञान को पहुंचाया जा सकेगा.

बीते दिनो शहर प्रवास के दौरान राज्यपाल व स्वास्थ्य मंत्री अमर अग्रवाल ने रेडियो रामन् के कार्यक्रमों को जाना.

21वीं सदी की आधुनिक सुविधा -राज्यपाल

रेडियो रामन का शुभारंभ करते समय राज्यपाल शेखर दत्त ने कहा था, कि विश्वविद्यालय में रेडियो की यह सुविधा 21वी सदी के समान है. यहा के विद्यार्थियों को इसका पूरा लाभ उठाना चाहिए. उन्होंने विश्वविद्यालय के इस प्रयास की भी सराहना की कि रेडियो के माध्यम से विभिन्न विशय विशेशज्ञों के लेक्चर अब एक क्लास रूम से बाहर निकलकर लोगो तक भी पहुंचेगी. यह विश्वविद्यालय भले ही आदिवासी बाहुल्य क्षेत्र में है, किन्तु सुविधाओं के हिसाब से यह 21वीं सदी का विश्वविद्यालय है.

देश के नामी कोचिंग से ओएमयू

श्री पाण्डेय ने बताया कि रेडियो रामन् के माध्यम से भारतीय प्रशासनिक सेवा, भारतीय पुलिस सेवा, भारतीय वन सेवा, बैंकिंग, रेलवे सहित सभी स्तर की परीक्षाओं की तैयारी कराई जाएगी. इसके लिए देश व प्रदेश के शीर्ष कोचिंग सेंटरों से ओएमयू किया जा रहा है. इस संबंध में विश्वविद्यालय के प्रोफेसरों ने कोचिंग सेंटरों में पढ़ाए जाने वाले पाठ्यक्रमों का गहन अध्ययन किया है. कोचिंग सेंटरों से ओएमयू के बाद सभी परीक्षाओं के विशय विशेषज्ञ रेडियो रामन् में आकर अपने लेक्चर देंगे. जिसका प्रसारण रेडियो में किया जाएगा. विधिवत पाठ्यक्रम के अनुसार ये लेक्चर लगातार प्रसारित किए जाएंगे. जिससे अंचल के युवा कोचिंग के क्लास रूम की तरह हर दिन की तैयारी और होम वर्क पूरा कर सकेंगे.

घर बैठे ही नि:शुल्क कोचिंग क्लास

श्री पाण्डेय ने बताया कि इस कार्यक्रम की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि इस कार्यक्रम को उस पैटर्न में तैयार किया जा रहा है, जिससे विद्यार्थियों को घर बैठे ही कोचिंग जैसी गंभीरता से परीक्षा की तैयारी हो सकेगी. हर दिन के लेक्चर को कोचिंग क्लास में दिए जाने वाले पैटर्न व पाठ्यक्रम के आधार पर तैयार किया जाएगा. इसके साथ हर दिन विद्यार्थियों को होम और प्रेक्टिस के लिए भी कोर्स बताया जाएगा. दूसरे दिन क्लास रूम की तरह ही लेक्चर होगा और होम वर्क का रिपीट किया जाएगा. यदि जो विद्यार्थी उत्तर या किसी विषय को लेकर भ्रमित है तो वे उनका लेक्चर सुनकर अपनी समस्या दूर कर सकेंगे. युवाओं को यह सुविधा नि:शुल्क मिलेगी. फिलहाल विज्ञान यात्रा का कार्यक्रम इस तर्ज पर रेडियो में चल रहा है.

तकनीकी शिक्षा में विशेष महत्व

कुलसचिव श्री पाण्डेय का मानना है कि भारत जैसे विशाल देश में कम्युनिटी रेडियो का सही और व्यापक उपयोग सामाजिक क्रांति ला सकता है. आज दुनिया भर में कम्युनिटी रेडियो का विस्तार हो रहा है. इसे लैटिन अमेरिका में पॉपुलर रेडियो, अफ्रीका में लोकल रेडियो और यूरोप में फ्री रेडियो कहा जाता है. श्री पाण्डेय ने बताया कि यूनेस्को को कम्युनिटी रेडियो की पहुंच व्यापक बनाने के लिए बंग्लादेश और मालदीप में कई कार्यक्रम आयोजित किए है. भारत में ही इसी दिशा में काम करने की योजना है. भारत के कई क्षेत्रों में कम्युनिटी रेडियो समाज में जागरूकता लाने का काम कर रहे है. सरकार को इरादा इस साल के अंत तक चार हजार कम्युनिटी रेडियो खोलने का है. कुलसचिव श्री पाण्डेय ने बताया कि रेडियो स्टेशन शिक्षा तकनीक में सहायक सिद्ध होगा.

अब वनांचलों व गांवो से निकलेगी प्रतिभा

श्री पाण्डेय ने बताया कि भारत गांव में बसता है और देश की प्रतिभाए भी गांव में होती है. जरूरत है तो बस इन प्रतिभाओं को निकालने की, लेकिन आर्थिक और अन्य सुविधाओं के अभाव में ये प्रतिभाएं बाहर नहीं आ पाती है. जीवनयापन के संघर्ष में गांव व वनांचल के युवा पढ़ाई नहीं कर पाते. जो पढ़ाई करने में सक्षम है. आर्थिक रूप में कमजोर होने के कारण उनकी पढ़ाई में बाधा आ जाती है. इस सुविधा से वनांचल और दूरस्थ ग्रामीण अंचल तक रेडियो की माध्यम से जानकारी घर-घर पहुंचेगी. गरीब और जरूरतमंद युवा बिना मोटी फीस दिए आईएएस, आईपीएस, रेलवे, परीक्षा की तैयारी कर सकेगा. साथ उन्हें शहर में जाकर कोचिंग करने के लिए भटकने की जरूरत नहीं होगी. शहर से दूर और घर से बाहर रहकर युवाओं को भटकने की जरूरत नहीं है.

अनूठी पहल | किताबों में लिखा कंटेंट पोर्टल पर, दुनियाभर के छात्रों को मिलेगा लाभ

नए सत्र में रेडियो से पढ़ाई

एजुकेशन रिपोर्टर | बिलासपुर

डॉ. सीवी रामन यूनिवर्सिटी में आने वाले सत्र से रेडियो से पढ़ाई करवाई जाएगी। इसके लिए इंजीनियरिंग, आर्ट्स, साइंस और मैनेजमेंट सहित सभी कोर्स के लेसन प्लान तैयार करवाए जा रहे हैं। इसे पोर्टल में अपलोड किया जाएगा, जिससे दुनियाभर के स्टूडेंट्स इससे संबंधित कोर्स को आसानी से सुनकर समझ सकेंगे।

शैलेष पाण्डेय

कुलसचिव शैलेष पाण्डेय ने बताया कि डिजिटल इंडिया और मेक इन इंडिया की ओर यूनिवर्सिटी का यह पहला कदम है। हम स्टूडेंट्स को पारंपरिक शिक्षा की बजाय हाईटेक माध्यमों से शिक्षा देंगे। रेडियो लेसन प्लान पढ़ाई का सरल तरीका है, जिसमें किसी भी विषय की नई यूनिट की पढ़ाई शुरू करने से पहले उसकी भूमिका पर चर्चा की जाती है। छात्रों का समूह में प्रश्न-उत्तर के माध्यम से प्राध्यापक विषय को समझाते हैं। यह रिकॉर्डिंग 30 मिनट की होती है, जिसमें एक विषय पूरा किया जाता है। इस रिकॉर्डिंग की लाइब्रेरी तैयार की जा रही है। पाण्डेय ने बताया कि रेडियो रामन को बीते साल 1 मई को तत्कालीन राज्यपाल महामहिम शेखर दत्त ने ऑन एयर किया था, जिसमें प्रख्यात लेखक चेतन भगत शामिल हुए थे।

रेडियो रामन् में प्राध्यापक छात्रों के समूहों को इस तरह से परिचर्चा शैली में विषय को गंभीरता से समझाएंगे। रिकॉर्डिंग सहेजी जाएगी।

लोककला व कलाकार को मंच दिया जा रहा: छत्तीसगढ़ी लोक कला को संरक्षित करने रेडियो रामन् मंच प्रदान करता है। लगातार अंचल की प्रतिभाओं की रिकॉर्डिंग की जा रही है। इसके बाद उसका प्रसारण किया जा रहा है। इसे रेडियो रामन् के माध्यम से हम छत्तीसगढ़ की लोककला संस्कृति और कलाकारों को बढ़ावा दे रहे हैं।

किताब की बात पोर्टल पर: लेसन प्लान को पोर्टल पर अपलोड कर दिया जाएगा। इसका नाम किताब की बात रखा गया है। स्टूडेंट्स किसी भी समय किसी भी कोर्स के किसी चेप्टर के बारे में इंटरनेट पर रेडियो प्लान में इसे सुन सकते हैं। इसके साथ विद्यार्थियों की क्वेरी के लिए ऑनलाइन सिस्टम बनाया जाएगा, जिसमें सुबह से शाम तक कोर्स की क्वेरी रिकार्ड की जाएगी। दूसरे दिन सुबह संबंधित विषय के टीचर रिकॉर्डिंग के माध्यम से इसका जवाब देंगे।

दो हजार रेडियो मुफ्त बांटे जाएंगे

रेडियो रामन् लोगों की पहुंच तक हो इसलिए अंचल में दो हजार रेडियो का निःशुल्क वितरण किया जाएगा। इसे यूनिवर्सिटी के सभी विभागों और क्लासरूम में दिया जाएगा। ब्लॉक स्तर में ग्राम पंचायत, नगर पंचायत, गांव की प्रमुख बैठक, सरकारी कार्यालय, अस्पताल, गुड़ी, चौपाल, ग्राम सभा, आंगनवाड़ी केंद्र, प्राइमरी व हायर सेकेण्डरी स्कूल में इसका वितरण किया जाएगा।

Dr. C.V. Raman University
Registrar
(C.G.)

डॉ. सी. वी. रामन् विश्वविद्यालय

करगी रोड, कोटा, जिला- बिलासपुर (छ.ग.)

Dr. C.V. Raman University
Registrar
Kargi Road, Kota, Bilaspur (C.G.)